आपातकाल के दौरान नौकरी से निकाले गये कर्मचारियों की बहाली

247. **श्री अर्जुन सिंह भदौरिया** : क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि मंत्रालय द्वारा अधिसूचना जारी किये जाने तथा मंत्री महोदय द्वारा आश्वासन दिये जाने के बावजूद बहुत से कर्मचारियों को जिन्हें आपातकाल के दौरान नौकरी से निकाल दिया गया था उन्हें बहाल नहीं किया गया है ; और

(ख) यदि हां, तो उनकी संख्या कितनी है और उन्हें कब तक बहाल कर दिया जायेगा ?

रेल मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री शिव नारायण) : (क) और (ख). सभी 24 रेल कर्मचारियों को जिन्हें आपातकाल के दौरान प्रतिबंधित संगठनों अथवा अन्य राजनैतिक विचारों से संबद्ध होने के कारण नौकरी से हटाया / बर्खास्त किया गया / अनिवार्य रूप से सेवा निवृत्त किया गया था, फिर से नौकरी में वापस ले लिया गया है । ऐसे कर्मचारियों के मामले में जो रेल कर्मचारी (अनुशासन एवं अपील) नियम, 1968 के नियम 14(II) के अंतर्गत सक्षम प्राधिकारी में निहित विशेष अधिकारों के अंतर्गत नौकरी से हटाये/बर्खास्त किये गये अथवा जिन्हें आपातकाल के दौरान अनिवार्य रूप से सेवानिवृत्त कर दिया गया था, उन्हें ये आश्वासन दिया गया था कि उनके प्रति किये अन्याय को देखने के उद्देश्य से उनके मामलों पर पुनः विचार किया जायेगा । ऐसे पुनरीक्षणों के परिणामस्वरूप, नौकरी से हटाये गये / बर्खास्त किये गये लगभग 1540 कर्मचारियों में से, 1208 को वापस नौकरी में ले लिया गया और शेष को इसलिए वापस नहीं लिया जा सका क्योंकि इनमें अनधिकृत रूप से गैर हाजरी, गंभीर कदाचार अपराध करने, न्यायालय के मामले आदि शामिल हैं ।

मनमाड-नरदाना तथा नासिक रोड-बलसाड नई रेलवे लाइनों का निर्माण

248. **श्री हरिशंकर महाले** : क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या बलसाड़पेठ, नासिक रोड़, मनमाड़, नालेगांव तथा नरदाना के लोग एक लम्बे समय से मनमाड़-मालेगांव-नरदाना तथा नासिक रोड पेठ-बलसाड नामक नई रेलवे लाइनों के निर्माण की मांग करते आ रहे हैं ;

(ख) यदि हां, तो अब तक पेश किये गये प्रस्तावों का ब्यौरा क्या है ; और

(ग) इन प्रस्तावों के कब तक क्रियान्वित हो जाने की आशा है ?

रेल मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री शिव नारायण) : (क) और (ख). मनमाड़-नरदाना और नासिक रोड-बलसाड रेल लाइनों के निर्माण के लिए अनेक अभ्यावेदन प्राप्त हो चुके हैं ।

(ग) संसाधनों पर भारी दबाव के कारण इस समय इन लाइनों के निर्माण के बारे में विचार करना संभव नहीं है । तदनुसार अभ्यावेदकों को उत्तर भेज दिये गये हैं ।